शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी), जोधपुर में आयोजित "हिन्दी पखवाडा" (12 सितम्बर से 26 सितम्बर 2014) की रिपोर्ट

शोध कार्यो के परिणामों को आमजन तक पहुंचाने में हिन्दी एक सशक्त माध्यम है, आज के युग की आवश्यकता है कि हम सभी हिन्दी को अधिकाधिक बढ़ावा दे यह उद्गार शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी), के निदेशक श्री एन.के.वासु ने आफरी के सभागार में हिन्दी पखवाड़ा के उद्घाटन सत्र में आयोजित गोष्ठी के दौरान व्यक्त किए । श्री वासु ने पखवाड़े में आयोजित की जाने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं में अधिकारियो एवं कर्मचारियो से भाग लेकर हिन्दी के प्रति अपने रूझान को प्रकट करने का आह्वान किया । इस अवसर पर आयोजित सत्र में आफरी की वैज्ञानिक डॉ. संगीता सिंह ने **मानवीय हस्तक्षेप का पादप रोगों के विकास एवं महामारी में भूमिका पर,** सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ आफरी के वैज्ञानिक ए.के.सिन्हा ने **राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एन.के.एन.) पर,** श्री राजेश कुमार गुप्ता ने **शुष्क क्षेत्र में शहरी वनीकरण एवं भू-दृश्य निर्माण पर** हिन्दी में पावर प्वाईंट प्रदर्शन के माध्यम व्याख्यान प्रस्तुत किया । आफरी के हिन्दी अधिकारी श्री कैलाश चन्द्र गुप्ता ने राजभाषा नियमों के बारे में जानकारी दी तथा इस अवसर पर '' **सुनहरा भविष्य-सुनहरी आशा, मेरा देश-मेरी भाषा'** नामक वृत्तचित्र का प्रदर्शन भी किया गया ।

हिंदी पखवाडा के समारंभ का दृश्य

सभागार में उपस्थित अधिकारियों/ कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुए सस्थान निदेशक

हिन्दी भाषा में कोई समस्या नहीं है यह सुदृढ एवं सरल है अतः आम व्यवहार में हिंदी को अपनाना आसान है ये उद्गार शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर के सभागार में हिंदी पखवाडे के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अपने सम्बोधन में जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग अध्यक्ष प्रो. रामवीर सिंह शर्मा ने व्यक्त किए। उन्होने बताया कि विभिन्न भाषाओं व विदेशी भाषाओं को जो चलन के रूप में प्रचलित हैं उसी रूप में अपनाना चाहिए। आपने बताया कि साहित्यकारों ने हिंदी को विश्व की भाषाओं में उच्च स्थान पर पहुंचा दिया है तथा हम सभी को अपने आचरण में समिलित कर हिंदी को बढावा देना चाहिए।

मुख्य अतिथि डॉ. शर्मा अपने विचार व्यक्त करते हुए।

कार्यक्रम में आफरी के निदेशक श्री एन के वासु ने कहा की हिंदी में शोध कार्यो को प्रकाशित कर आमजन तक पहुंचाने से ही इसकी उपयोगिता बढाई जा

सकती है तथा हिंदी में अधिकाधिक कार्य करने का आपने आह्वान किया। हिंदी पखवाडे के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं एवं प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी।

समापन समारोह का दृश्य

संस्थान निदेशक श्री वासु मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न प्रदान करते हुए

कार्यक्रम में आफरी के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. आई डी आर्य, डॉ. एस आई अहमद एवं डॉ. रंजना आर्य ने हिंदी पर अपने विचार रखे। आफरी के कृषिवानिकी एवं विस्तार विभाग के विभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी ने **"क्यु जावों परदेस"** सुना कर सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया। जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के डॉ. श्रवण कुमार ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर हिन्दी पखवाडे के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इस दौरान स्वरचित काव्यपाठ का आयोजन भी रखा गया।

हिन्दी पखवाडा के समापन समारोह पर आफरी के हिन्दी अधिकारी श्री कैलाश चन्द गुप्ता ने वर्ष 2013-14 की हिंदी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा सभी का आभार ज्ञापित किया।

संस्थान के हिंदी अधिकारी श्री कैलाश चन्द गुप्ता हिंदी की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए।